वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालयजौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 17 अक्टूबर 2026

प्रस्तुति: मीडियासेल

स्वतंत्र एकता जागरण

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का तीसरा व्याख्यान संपन्न

वीका टूल से विद्यार्थियों ने सीखे क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम के व्यावहारिक उपयोग, 144 छात्र-छात्राओं ने किया प्रतिभाग

स्वतंत्र एकता जागरण



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित ' एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज ' के तीसरे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। "क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम " विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 144 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का आयोजन किया जा रहा है । मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की मूलभूत अवधारणाओं तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने डिसीजन ट्री तथा केएनएन जैसे प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली को समझा। इसके साथ ही मशीन लर्निंग मॉडल के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए शुद्धता, परिशुद्धता, पुनःप्राप्ति दर, संवेदनशीलता तथा काम्प्लेक्स मैट्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञ ने ई-मेल में स्पैम की पहचान तथा बैंकिंग क्षेत्र में ऋण जोखिम के आकलन जैसे वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की उपयोगिता को स्पष्ट किया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रभावी मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए उपयुक्त एल्गोरिदम का चयन, डेटा का सही विश्लेषण तथा मॉडल के प्रदर्शन का उचित मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है। वीका जैसे टूल की सहायता से विद्यार्थी विभिन्न एल्गोरिदम का प्रयोग कर सकते हैं और उनके परिणामों की तुलना करते हुए वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कार्यक्रम का आयोजन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव, कृष्ण कुमार यादव, डॉ. संतोष कुमार यादव एवं प्रवीन कुमार पाण्डेय का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दैनिक जागरण

Varanasi, Saturday, 17 October 2026
जौनपुर संस्करण
Price ₹ 3.50/- Pages 14

दैनिक जागरण

www.inextlive.com Published from VARANASI
Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Kanpur • Lucknow • Meerut • Patna • Prayagraj • Ranchi



SEE PG-12

हैकर्स बेच रहे सरकारी ID-पासवर्ड ›9

inext DYNAMIC EDITION

ड्रोन तकनीक में नवाचार से खुलेंगे नए अवसर : कुलपति

सी-डैक, नोएडा के वैज्ञानिकों ने दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

पाँच दिवसीय ड्रोन तकनीक कार्यशाला का समापन

जौनपुर (16 अक्टूबर): पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में आयोजित पाँच दिवसीय ड्रोन तकनीक कार्यशाला का समापन समारोह शुक्रवार को संपन्न हुआ. कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने ड्रोन की असेंबलिंग, उसके विभिन्न घटकों की कार्यप्रणाली, उड़ान भरने तथा नियंत्रण की तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया. विद्यार्थियों के लगन से खुश होकर आए वैज्ञानिकों ने विश्वविद्यालय को एक ड्रोन उपहार में दिया.

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि ड्रोन तकनीक आज केवल तकनीकी प्रयोग का विषय नहीं है, बल्कि कृषि, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में देश की प्रगति का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस प्रकार के प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का उपयोग नई परियोजनाएँ विकसित करने, अनुसंधान करने और समस्याओं के स्थानीय समाधान खोजने के लिए करना चाहिए. कुलपति ने सी-डैक, नोएडा के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों के योगदान की सराहना की और कहा कि ऐसी कार्यशालाएँ विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी आत्मविश्वास तथा नवाचार की भावना विकसित करती हैं.


कार्यक्रम में मौजूद कुलपति प्रो. आरके सिंह व छात्र.

कई पहलुओं की जानकारी दी

पाँच दिनों तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को व्याख्यान, प्रस्तुतियों, हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण तथा प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से ड्रोन तकनीक के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई. कार्यशाला के अंतिम दिन सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को विभिन्न उपकरणों के मध्य संचार के नियमों तथा संचार स्थापित होने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया. अन्य विशेषज्ञों में ईशा गुप्ता, किरण बालिया एवं देवेश वर्मा ने प्रस्तुतियों और प्रायोगिक प्रदर्शनों के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी विकास से अवगत कराया. कार्यशाला के समापन पर एक घंटे की परीक्षा के परिणाम के आधार पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र एवं शील्ड प्रदान की गई. कार्यशाला का समन्वय डॉ. प्रवीण सिंह एवं डॉ. ज्योति सिंह ने किया, जबकि समापन समारोह का संचालन पूनम सोनकर ने किया. इस दौरान प्रो. रवि प्रकाश,डॉ. अजय मौर्या, पी. सी. यादव, प्रीति शर्मा, डॉ. रितेश बरनवाल, तुषार श्रीवास्तव, डॉ. विशाल यादव, शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष त्रिपाठी, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. जया शुक्ला, अनुराग एवं सुधीर सिंह मौजूद रहे.

एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का व्याख्यान संपन्न

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित ' एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज ' के तीसरे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया. "क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम " विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 144 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया. सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का आयोजन किया जा रहा है. मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की मूलभूत अवधारणाओं तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी. व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने डिसीजन ट्री तथा केएनएन जैसे प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली को समझा.

अमर उजाला

सी-डैकनोएडा के वैज्ञानिकों ने दिया ड्रोन का व्यावहारिक प्रशिक्षण

जौनपुर। पूविवि के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में आयोजित पांच दिवसीय ड्रोन तकनीक कार्यशाला का समापन शुक्रवार को हुआ।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने ड्रोन की असेंबलिंग, उसके विभिन्न घटकों की कार्यप्रणाली, उड़ान भरने तथा नियंत्रण की तकनीकों का व्यावहारिक जानकारी दी।

विद्यार्थियों के लगन से खुश होकर आए वैज्ञानिकों ने विश्वविद्यालय को एक ड्रोन उपहार में दिया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि ड्रोन तकनीक आज केवल तकनीकी प्रयोग का विषय नहीं है, बल्कि कृषि, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में देश की प्रगति का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। कुलपति ने सी-डैक, नोएडा के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों के योगदान की सराहना की और कहा कि ऐसी कार्यशालाएं विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी आत्मविश्वास तथा नवाचार की भावना विकसित करती हैं। वैज्ञानिक डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को विभिन्न उपकरणों के मध्य संचार के नियमों तथा संचार स्थापित होने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। संवाद

आज

आज जौनपुर

वाराणसी, १७ अक्तूबर, २०२६

ड्रोन तकनीक में नवाचार से खुलेंगे नये अवसर-वाइसचांसलर

सी-डैक, नोएडा के वैज्ञानिकों ने दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

पांच दिवसीय ड्रोन तकनीक कार्यशाला का समापन

सरायख्वाजा। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में आयोजित पाँच दिवसीय ड्रोन तकनीक कार्यशाला का समापन समारोह शुक्रवार को संपन्न हुआ। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने ड्रोन की असेंबलिंग, उसके विभिन्न घटकों की कार्यप्रणाली, उड़ान भरने तथा नियंत्रण की तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। विद्यार्थियों के लगन से खुश होकर आए वैज्ञानिकों ने विश्वविद्यालय को एक ड्रोन उपहार में दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि ड्रोन तकनीक आज केवल तकनीकी प्रयोग का विषय नहीं है, बल्कि कृषि, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में देश की प्रगति का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस प्रकार के प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का उपयोग नई परियोजनाएं विकसित करने, अनुसंधान करने और समस्याओं के स्थानीय समाधान खोजने के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लगातार आगे बढ़ाएगा, ताकि विद्यार्थी अपने ही परिसर में आधुनिक तकनीक सीखने तथा विशेषज्ञों से सीधे संवाद करने का अवसर प्राप्त कर सकें। कुलपति ने सी-डैक, नोएडा के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों के योगदान की सराहना की और कहा कि ऐसी कार्यशालाएँ विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी आत्मविश्वास तथा नवाचार की भावना विकसित करती हैं। पाँच दिनों तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में



विद्यार्थियों को व्याख्यान, प्रस्तुतियों, हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण तथा प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से ड्रोन तकनीक के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। कार्यशाला के अंतिम दिन सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को विभिन्न उपकरणों के मध्य संचार के नियमों तथा संचार स्थापित होने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। अन्य विशेषज्ञों में ईशा गुप्ता, किरण वालिया एवं देवेश वर्मा ने प्रस्तुतियों और प्रायोगिक प्रदर्शनों के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी विकास से अवगत कराया। कार्यशाला में बताया गया कि वर्तमान समय में ड्रोन का उपयोग कृषि, फसल निगरानी, आपदा प्रबंधन, भौगोलिक सर्वेक्षण, पर्यावरण संरक्षण, औद्योगिक निरीक्षण, चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति तथा रक्षा क्षेत्र सहित अनेक क्षेत्रों में किया जा रहा है। कार्यशाला के समापन पर एक घंटे की परीक्षा के परिणाम के आधार पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र एवं शील्ड प्रदान की गई। कार्यशाला का समन्वय डॉ. प्रवीण सिंह एवं डॉ. ज्योति सिंह ने किया, जबकि समापन समारोह का संचालन पूनम सोनकर ने किया। कार्यक्रम में प्रो. रवि प्रकाश, डॉ. अजय मौर्या, पी. सी. यादव, प्रीति शर्मा, डॉ. रितेश बरनवाल, तुषार श्रीवास्तव, डॉ. विशाल यादव, शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष त्रिपाठी, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. जया शुक्ला, अनुराग एवं सुधीर सिंह उपस्थित रहे।

जनसंदेश टाइम्स

विवि में एआई व एमएल लर्निंग सीरीज का तीसरा व्याख्यान संपन्न



व्याख्यान में मौजूद विद्यार्थी।

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग की ओर से शुक्रवार को एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का तीसरा व्याख्यान आयोजित किया गया। क्लासिफिकेशन एल्गोरिदम विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न पाठ्यक्रमों के 144 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित व्याख्यान में विशेषज्ञ डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के वर्गीकरण एल्गोरिदम की जानकारी दी। उन्होंने वीका टूल के माध्यम से इनके व्यावहारिक उपयोग को समझाया। विद्यार्थियों ने डिसीजन ट्री और केएनएन जैसे प्रमुख एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली सीखी। व्याख्यान में मशीन लर्निंग मॉडल के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए शुद्धता, परिशुद्धता, पुनःप्राप्ति दर, संवेदनशीलता और कन्फ्यूजन मैट्रिक्स जैसे मानकों पर चर्चा की गई। विशेषज्ञ ने ई-मेल में स्पैम की पहचान और बैंकिंग क्षेत्र में ऋण जोखिम के आकलन के उदाहरणों से इन तकनीकों की उपयोगिता बताई। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि प्रभावी मशीन लर्निंग मॉडल तैयार करने के लिए उपयुक्त एल्गोरिदम का चयन, डेटा का विश्लेषण और परिणामों का सही मूल्यांकन आवश्यक है। वीका जैसे टूल विद्यार्थियों को विभिन्न एल्गोरिदम के परिणामों की तुलना करने और व्यावहारिक समस्याओं का समाधान खोजने में मदद करते हैं।

कार्यक्रम का आयोजन संकाय के डीन प्रो. सौरभ पाल और विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में हुआ। आयोजन समिति के सदस्यों दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव, कृष्ण कुमार यादव, डॉ. संतोष कुमार यादव और प्रवीन कुमार पांडेय का सहयोग रहा।

जनसंदेश टाइम्स

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, शनिवार, 17 अक्टूबर, 2026

ड्रोन तकनीक में नवाचार से खुलेंगे नए अवसर

बोलेः कुलपति

सी-डैक, नोएडा के वैज्ञानिकों ने दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

पांच दिवसीय ड्रोन तकनीक कार्यशाला का समापन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में आयोजित पांच दिवसीय ड्रोन तकनीक कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। इसमें विद्यार्थियों को ड्रोन की असेंबलिंग, विभिन्न घटकों की कार्यप्रणाली, उड़ान और नियंत्रण की तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

विद्यार्थियों की लगन से प्रभावित होकर सी-डैक, नोएडा के वैज्ञानिकों ने विश्वविद्यालय को एक ड्रोन उपहार में दिया। समापन समारोह में कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि ड्रोन तकनीक कृषि, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान का उपयोग नई परियोजनाएं विकसित करने, अनुसंधान करने और स्थानीय समस्याओं के समाधान खोजने में करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आधुनिक तकनीक के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आगे भी बढ़ाएगा।



विद्यार्थियों के साथ कुलपति, नोएडा की वैज्ञानिक डॉक्टर कल्पना जौहरी

कार्यशाला के अंतिम दिन सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक डॉ. कल्पना जौहरी ने विभिन्न उपकरणों के बीच संचार के नियमों और प्रक्रिया की जानकारी दी। विशेषज्ञ ईशा गुप्ता, किरण वालिया और देवेश वर्मा ने प्रस्तुतियों एवं प्रायोगिक प्रदर्शनों के माध्यम से विद्यार्थियों को तकनीकी विकास से परिचित कराया। पांच दिनों तक व्याख्यान, प्रस्तुतियों और प्रायोगिक गतिविधियों के जरिए ड्रोन के विभिन्न उपयोगों की जानकारी दी गई।

बताया गया कि ड्रोन का इस्तेमाल फसल निगरानी, भौगोलिक सर्वेक्षण, औद्योगिक निरीक्षण और चिकित्सा सामग्री पहुंचाने सहित कई क्षेत्रों में हो रहा है। समापन पर एक घंटे की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र और शील्ड प्रदान की गई। कार्यशाला का समन्वय डॉ. प्रवीण सिंह और डॉ. ज्योति सिंह ने किया, जबकि संचालन पूनम सोनकर ने किया।

जौनपुर धारा

मशीन लर्निंग के एल्गोरिदम से रूबरू हुए 144 विद्यार्थी

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के तहत हुआ व्याख्यान

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग की ओर से शुक्रवार को एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का तीसरा व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 144 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। व्याख्यान का विषय क्लासिफिकेशन एल्गोरिदम रहा।



विशेषज्ञ डॉ.अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के वर्गीकरण एल्गोरिदम और उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। वीका (ह्वुद्दद्मह्लु) टूल के माध्यम से उन्होंने डिसीजन ट्री और केएनएन जैसे एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली समझाई। साथ ही मॉडल के प्रदर्शन के मूल्यांकन में एक्यूरेसी, प्रिसिजन, रिकॉल और कन्फ्यूजन मैट्रिक्स जैसे मानकों की भूमिका बताई। ई-मेल में स्पैम की पहचान और बैंकिंग में ऋण जोखिम के आकलन के उदाहरणों से विद्यार्थियों को इन तकनीकों की उपयोगिता समझाई गई।

विशेषज्ञ ने कहा कि प्रभावी मॉडल तैयार करने के लिए सही एल्गोरिदम का चयन, डेटा का विश्लेषण और परिणामों का उचित मूल्यांकन जरूरी है। कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का संचालन डीन प्रो. सौरभ पाल और विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में हुआ। आयोजन में दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव, कृष्ण कुमार यादव, डॉ. संतोष कुमार यादव और प्रवीन कुमार पांडेय ने योगदान दिया।

न्यूजफ्लिक्स टाइम्स

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का तीसरा व्याख्यान संपन्न

वीका टूल से विद्यार्थियों ने सीखे क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम के व्यावहारिक उपयोग, 144 छात्र-छात्राओं ने किया प्रतिभाग

न्यूजफ्लिक्स टाइम्स

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के तीसरे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 144 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का आयोजन किया जा रहा है । मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन



डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की मूलभूत अवधारणाओं तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी।

व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने डिसीजन ट्री तथा केएनएन जैसे प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली को समझा। इसके साथ ही मशीन लर्निंग मॉडल के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए शुद्धता, परिशुद्धता, पुनःप्राप्ति दर, संवेदनशीलता तथा काम्प्लेक्स मैट्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञ ने ई-मेल में स्पैम की पहचान तथा बैंकिंग क्षेत्र में ऋण जोखिम के आकलन जैसे वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की उपयोगिता को स्पष्ट किया।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रभावी मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए उपयुक्त एल्गोरिदम का चयन, डेटा का सही विश्लेषण तथा मॉडल के प्रदर्शन का उचित मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है। वीका जैसे टूल की सहायता से विद्यार्थी विभिन्न एल्गोरिदम का प्रयोग कर सकते हैं और उनके परिणामों की तुलना करते हुए वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

कार्यक्रम का आयोजन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भाटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव, कृष्ण कुमार यादव, डॉ. संतोष कुमार यादव एवं प्रवीन कुमार पाण्डेय का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पहल टुडे

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का तीसरा व्याख्यान संपन्न

वीका टूल से विद्यार्थियों ने सीखे क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम के व्यावहारिक उपयोग, 144 छात्र-छात्राओं ने किया प्रतिभाग

पहल टुडे

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज के तीसरे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 144 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का आयोजन किया जा रहा है । मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन



डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की मूलभूत अवधारणाओं तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी।

व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने डिसीजन ट्री तथा केएनएन जैसे प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली को समझा। इसके साथ ही मशीन लर्निंग मॉडल के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए शुद्धता, परिशुद्धता, पुनःप्राप्ति दर, संवेदनशीलता तथा काम्प्लेक्स मैट्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञ ने ई-मेल में स्पैम की पहचान तथा बैंकिंग क्षेत्र में ऋण जोखिम के आकलन जैसे वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की उपयोगिता को स्पष्ट किया।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रभावी मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए उपयुक्त एल्गोरिदम का चयन, डेटा का सही विश्लेषण तथा मॉडल के प्रदर्शन का उचित मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है। वीका जैसे टूल की सहायता से विद्यार्थी विभिन्न एल्गोरिदम का प्रयोग कर सकते हैं और उनके परिणामों की तुलना करते हुए वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

कार्यक्रम का आयोजन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव, कृष्ण कुमार यादव, डॉ. संतोष कुमार यादव एवं प्रवीन कुमार पाण्डेय का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कौटिल्य का भारत

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का तीसरा व्याख्यान संपन्न

वीका टूल से विद्यार्थियों ने सीखे क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम के व्यावहारिक उपयोग

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित ' एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज ' के तीसरे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। "क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम " विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 144 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का आयोजन किया जा रहा है । मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. अन्तुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की मूलभूत अवधारणाओं तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने डिसीजन ट्री तथा केएनएन जैसे प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली को समझा। इसके साथ ही मशीन लर्निंग मॉडल के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए शुद्धता, परिशुद्धता, पुनःप्राप्ति दर, संवेदनशीलता तथा काम्प्लेक्स मैट्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञ ने ई-मेल में स्पैम की पहचान तथा बैंकिंग क्षेत्र में ऋण जोखिम के आकलन जैसे वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की उपयोगिता को स्पष्ट किया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रभावी मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए उपयुक्त एल्गोरिदम का चयन, डेटा का सही विश्लेषण तथा मॉडल के प्रदर्शन का उचित मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है। वीका जैसे टूल की सहायता से विद्यार्थी विभिन्न एल्गोरिदम का प्रयोग कर सकते हैं और उनके परिणामों की तुलना करते हुए वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कार्यक्रम का आयोजन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव, कृष्ण कुमार यादव, डॉ. संतोष कुमार यादव एवं प्रवीन कुमार पाण्डेय का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

द आइडियल इंडिया

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का तीसरा व्याख्यान संपन्न

वीका टूल से विद्यार्थियों ने सीखे क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम के व्यावहारिक उपयोग, 144 छात्र-छात्राओं ने किया प्रतिभाग

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंडटेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित ह्य एआईएवं एमएल लर्निंग सीरीज ह्ल के तीसरे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। ह्लक्लासिफिकेशन अल्गोरिथम ह्ल विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 144 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।



सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में एआईएवंएमएल लर्निंग सीरीज का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य विशेषज्ञ एवंसिसोर्स पर्सन डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की मूलभूत अवधारणाओं तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने डिसीजन ट्री तथा केएनएन जैसे प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली को समझा। इसके साथ ही मशीन लर्निंग मॉडल के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए शुद्धता, परिशुद्धता, पुनःप्राप्ति दर, संवेदनशीलता तथा काम्प्लेक्स मैट्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञ ने ई-मेल में स्पैम की पहचान तथा बैंकिंग क्षेत्र में ऋण जोखिम के आकलन जैसे वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की उपयोगिता को स्पष्ट किया। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रभावी मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए उपयुक्त एल्गोरिदम का चयन, डेटा का सही विश्लेषण तथा मॉडल के प्रदर्शन का उचित मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है। वीका जैसे टूल की सहायता से विद्यार्थी विभिन्न एल्गोरिदम का प्रयोग करसकते हैं और उनके परिणामों की तुलना करते हुए वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कार्यक्रम का आयोजन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंडटेक्नोलॉजी के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव, कृष्ण कुमार यादव, डॉ. संतोष कुमार यादव एवं प्रवीन कुमार पाण्डेय का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

द आइडियल इंडिया

ड्रोन तकनीक में नवाचार से खुलेंगे नए अवसर: कुलपति

सी-डैक, नोएडा के वैज्ञानिकों ने दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण, पाँच दिवसीय ड्रोन तकनीक कार्यशाला का समापन

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन जौनपुर

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में आयोजित पाँच दिवसीय ड्रोन तकनीक कार्यशाला का समापन समारोह शुक्रवार को संपन्न हुआ। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने ड्रोन की असेंबलिंग, उसके विभिन्न घटकों की कार्यप्रणाली, उड़ान भरने तथा नियंत्रण की तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। विद्यार्थियों के लगन से खुश होकर आए वैज्ञानिकों ने विश्वविद्यालय को एक ड्रोन उपहार में दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि ड्रोन तकनीक आज के बल तकनीकी प्रयोग का विषय नहीं है,



बल्कि कृषि, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में देश की प्रगति का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस प्रकार के प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का उपयोग नई परियोजनाएँ विकसित करने, अनुसंधान करने और समस्याओं के स्थानीय समाधान खोजने के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लगातार आगे बढ़ाएगा, ताकि विद्यार्थी अपने ही परिसर में आधुनिक तकनीक सीखने तथा विशेषज्ञों से सीधे संवाद करने का अवसर प्राप्त कर सकें। कुलपति ने सी-डैक, नोएडा के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों के योगदान की सराहना की और कहा कि ऐसी कार्यशालाएँ विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी आत्मविश्वास तथा नवाचार की भावना विकसित करती हैं। पाँच दिनों तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को व्याख्यान, प्रस्तुतियों, हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण तथा प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से ड्रोन तकनीक के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। कार्यशाला के अंतिम दिन सी-डैक, नोएडा की वैज्ञानिक डॉ. कल्पना जौहरी ने विद्यार्थियों को विभिन्न उपकरणों के मध्य संचार के नियमों तथा संचार स्थापित होने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। अन्य विशेषज्ञों में श्रीमती ईशा गुप्ता, श्रीमती किरण वालिया एवं श्री देवेश वर्मा ने प्रस्तुतियों और प्रायोगिक प्रदर्शनों के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी विकास से अवगत कराया। कार्यशाला में बताया गया कि वर्तमान समय में ड्रोन का उपयोग कृषि, फसल निगरानी, आपदा प्रबंधन, भौगोलिक सर्वेक्षण, पर्यावरण संरक्षण, औद्योगिक निरीक्षण, चिकित्सा सामग्री की आपूर्ति तथा रक्षा क्षेत्र सहित अनेक क्षेत्रों में किया जा रहा है। कार्यशाला के समापन पर एक घंटे की परीक्षा के परिणाम के आधार पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र एवं शील्ड प्रदान की गई। कार्यशाला का समन्वय डॉ. प्रवीण सिंह एवं डॉ. ज्योति सिंह ने किया, जबकि समापन समारोह का संचालन पूनम सोनकर ने किया। कार्यक्रम में प्रो. रवि प्रकाश, डॉ. अजय मौर्या, पी. सी. यादव, प्रीति शर्मा, डॉ. रितेश बरनवाल, तुषार श्रीवास्तव, डॉ. विशाल यादव, शैलेश प्रजापति, डॉ. संतोष त्रिपाठी, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. जया शुक्ला, श्री अनुराग एवं श्री सुधीर सिंह उपस्थित रहे।

रणतुर्य

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का तीसरा व्याख्यान संपन्न

रणतूर्य संवाददाता
जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित ह्य एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज ह्ल के तीसरे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। ह्लक्लासिफिकेशन अल्गोरिथम ह्ल विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 144 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था।विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का आयोजन किया जा रहा है ।

मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की मूलभूत अवधारणाओं तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने डिसीजन ट्री तथा केएनएन



जैसे प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली को समझा। इसके साथ ही मशीन लर्निंग मॉडल के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए शुद्धता, परिशुद्धता, पुनःप्राप्ति दर, संवेदनशीलता तथा काम्प्लेक्स मैट्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञ ने ई-मेल में स्पैम की पहचान तथा बैंकिंग क्षेत्र में ऋण जोखिम के आकलन जैसे वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की उपयोगिता को स्पष्ट किया।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रभावी मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए उपयुक्त एल्गोरिदम का चयन, डेटा का सही विश्लेषण तथा मॉडल के प्रदर्शन का उचित मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है। वीका जैसे टूल की सहायता से विद्यार्थी विभिन्न एल्गोरिदम का प्रयोग कर सकते हैं और उनके परिणामों की तुलना करते हुए वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

कार्यक्रम का आयोजन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव, कृष्ण कुमार यादव, डॉ. संतोष कुमार यादव एवं प्रवीन कुमार पाण्डेय का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उत्तर शक्ति

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का तीसरा व्याख्यान संपन्न

वीका टूल से विद्यार्थियों ने सीखे क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम के व्यावहारिक उपयोग, 144 छात्र-छात्राओं ने किया प्रतिभाग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित ह्य एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज ह्व के तीसरे व्याख्यान का शुक्रवार को सफल आयोजन किया गया। ह्वक्लासिफिकेशन अल्गोरिथम ह्व विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 144 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग के प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम तथा उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों से परिचित कराना था।



विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में एआई एवं एमएल लर्निंग सीरीज का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य विशेषज्ञ एवं रिसोर्स पर्सन डॉ. अन्नुश्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की मूलभूत अवधारणाओं तथा वीका टूल के माध्यम से उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। व्याख्यान के दौरान विद्यार्थियों ने डिसीजन ट्री तथा केएनएन जैसे प्रमुख वर्गीकरण एल्गोरिदम की कार्यप्रणाली को समझा। इसके साथ ही मशीन लर्निंग मॉडल के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए शुद्धता, परिशुद्धता, पुनःप्राप्ति दर, संवेदनशीलता तथा काम्प्लेक्स मैट्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण मानकों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञ ने ई-मेल में स्पैम की पहचान तथा बैंकिंग क्षेत्र में ऋण जोखिम के आकलन जैसे वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से क्लासिफिकेशन अल्गोरिथम की उपयोगिता को स्पष्ट किया।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रभावी मशीन लर्निंग मॉडल विकसित करने के लिए उपयुक्त एल्गोरिदम का चयन, डेटा का सही विश्लेषण तथा मॉडल के प्रदर्शन का उचित मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है। वीका जैसे टूल की सहायता से विद्यार्थी विभिन्न एल्गोरिदम का प्रयोग कर सकते हैं और उनके परिणामों की तुलना करते हुए वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कार्यक्रम का आयोजन फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. सौरभ पाल तथा कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप कुमार यादव, अशोक कुमार यादव, कृष्ण कुमार यादव, डॉ. संतोष कुमार यादव एवं प्रवीन कुमार पाण्डेय का कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।